AC-20/05/2025

Item No.- 5.3 (N) Sem II & IV (2) (a b)

As Per NEP 2020

University of Mumbai

Syllabus for Minor Vertical 2		
Faculty of – HUMANITIES		
Board of Studies in – HINDI		
Second Year Programme in Minor (Specify Subject)		
Semester	III & IV	
Title of Paper	Sem.	Credits
I) हिंदी व्यंग्य निबंध	III	4
Title of Paper		Credits
I) स्त्री विमर्श : हिंदी कविताएं	IV	4
From the Academic Year		2025-26

Sem. - III

Syllabus
B.A. (HINDI)
(Sem.- III)

Title of Paper- हिंदी व्यंग्य निबंध

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description of the course:**	विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना ही शिक्षा का मूल उद्देश्य है। इसी उद्देश्य को समक्ष रखकर पाठ्यक्रम का निर्धारण किया गया है। भाषा और साहित्य का पाठ्यक्रम निर्माण करते समय यह ध्यान में रखा गया है कि साहित्य की सभी विधाओं से विद्यार्थी परिचित हों, इसलिए व्यंग्य निबंध का समावेश पाठ्यक्रम में किया गया है। व्यंग्य एक महत्वपूर्ण विधा है। किसी व्यक्ति, स्थिति या विचारधारा की विडंबनात्मक स्थितियों को व्यक्त करने के लिए हास्य, व्यंग्य, का उपयोग करते हैं। इसमें व्यंग्यात्मक अंदाज में भद्र तरीके से उपहास किया जाता है, जिससे पाठकों का मनोरंजन भी होता है और हमारे परिवेश की वस्तुस्थितियों का पता भी चलता है। व्यंग्य सामाजिक प्रवृत्तियों पर प्रहार करता है। अतः व्यंग्य सामाजिक परिवर्तन का साधन है। विद्यार्थी व्यंग्य साहित्य के माध्यम से समाज की वास्तविक स्थितियों तथा सामाजिक समस्याओं से परिचित होते हैं, समाज और राष्ट्र को इन परिस्थितियों से उबारने के लिए अपनी भूमिका बना सकते हैं।
2	**Vertical:**	Minor
3	**Type:**	Theory
4	**Credit**:	4 credits (1 credit = 15 Hours for Theory)
5	**Hours Allotted:**	60 Hours
6	**Marks Allotted**:	100 Marks
7	**Course Objectives:** 1. विद्यार्थियों को गद्य की व्यंग्य विधा की प्रसिद्ध, प्रचलित व्यंग्यात्मक रचनाओं एवं समकालीन परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए सामाजिक, मानवीय, सांस्कृतिक और नवीनतम आधुनिक जीवन शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना। 2. हिंदी गद्य के प्रारम्भिक काल में प्रस्फुटित व्यंग्य रचनाओं से लेकर अद्यतन व्यंग्यात्मक रचनाओं, प्रवृत्तियों एवं विकास से अवगत कराते हुए व्यंग्य के सामाजिक, मानवीय संतुलन-असंतुलन को दर्शाना और सकारात्मक पक्षों को बल देना एवं समूहिक नैतिकता को समृद्ध करना। 3. व्यंग्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न व्यंग्य दृष्टियों को उजागर करना, उसकी शिल्पगत बनावट के साथ आम जीवन के क्षेत्र में व्यंग्य की उपादेयता को दर्शाते हुए उसके विभिन्न सरोकारों से अवगत कराना।	

8	**Course Outcomes:** 1. विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक मूल्यों का गुणात्मक विकास होगा। 2. विद्यार्थियों में राष्ट्र-निर्माण हेतु नये सामाजिक, राजनीतिक, संस्कृतिक विचारों का प्रसार होगा और दायित्व-बोध निर्वहन का विकास होगा। 3. विद्यार्थियों में नये वैश्विक मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं मूल्यवादी दृष्टि के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा। 4. विद्यार्थियों में साहित्य-रसास्वादन के साथ कलात्मक अभिरुचि का निर्माण होगा, रचनात्मक-कौशल को बढ़ावा मिलेगा।
9	Modules (Per credit one module can be created)

पुस्तक का नाम- **व्यंग्य-वीथी** संपादन- हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
प्रकाशक- राधाकृष्ण प्रकाशन, जी-17 जगतपुरी, दिल्ली-110051

व्यंग्य निबंध	**रचनाकार**
इकाई- 1 व्याख्यान-15 क्रेडिट 01	
1. वसीयत	भगवती चरण वर्मा
2. सुदामा के चावल	हरिशंकर परसाई
3. एक लाख	शंकर पुणतांबेकर
इकाई- 2 व्याख्यान-15 क्रेडिट 01	
4. बापू की विरासत	नामवर सिंह
5. बंसी वाले का पुजारी	शरद जोशी
6. वाह रे !हमदर्द	घनश्याम अग्रवाल
इकाई- 3 व्याख्यान-15 क्रेडिट 01	
7. प्रभु जी, तुम डॉलर हम पानी	सूर्यबाला
8. छूकर चरण भाग्य बनते हैं	स्नेहलता पाठक
9. कन्या रत्न का दर्द	प्रेम जनमेजय
इकाई- 4 व्याख्यान-15 क्रेडिट 01	
10. वाशिंग मशीन में बाल सरस्वती	बी. एल. आच्छा
11. गाँव के स्कूल में कम्प्यूटर	ज्ञान चतुर्वेदी
12. ऐनक के बहाने	ब्रजेश कानूनगो

10	**संदर्भ ग्रंथ-** 1. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य निबंध- डॉ. शशि मिश्र, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली 2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य निबंध एवं निबंधकर- डॉ. बापुराव देसाई, चिंतन प्रकाशन, पशुपति नगर, कानपुर 3. व्यंग्य-पुरोधा - हरिशंकर परसाई- डॉ. राजेश चंद्र पाण्डेय, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली 4. बीसवीं सदी के चर्चित व्यंग्य – विजय अग्रवाल, किताबघर, नई दिल्ली 5. हिंदी व्यंग्य निबंध : स्वतंत्रता के बाद- डॉ. आशा रावत, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर 6. व्यंग्य क्या व्यंग्य क्यों– श्यामसुंदर घोष, सत्साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली 7. एक व्यंग्य यात्रा- रा. वा. पाटील, आलोक सांस्कृतिक अकादमी, जलगांव 8. हिंदी व्यंग्य साहित्य का संवेदनात्मक विकास – डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, माया प्रकाशन, कानपुर 9. शंकर पुणतांबेकर का व्यंग्य साहित्य- डॉ. मीना सुनील सुतवणी, अद्वैत प्रकाशन, दिल्ली	
11	**Internal Continuous Assessment : 40%**	**External : Semester End Examination : 60%**
12	**Continuous Evaluation through:** • रचनात्मक कार्य/प्रकल्प इत्यादि 20 अंक • प्रस्तुति/परिसंवाद सहभागिता इत्यादि 10 अंक • अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ- 10 अंक **कुल= 40 अंक**	**लिखित परीक्षा** **अंक : 60** **समयावधि : 2 घंटे**
13	**Format of Question Paper:** for the semester end examination **लिखित परीक्षा** **अंक : 60** **समयावधि : 2 घंटे** **निर्देश-** 1. समस्त चार इकाइयों में से कुल छह प्रश्न पूछे जाएं। 2. पहला प्रश्न अनिवार्य है। (संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या विकल्प सहित) 15 अंक 3. शेष पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 15x3= 45 अंक कुलयोग- **60 अंक**	

Sem. - IV

Syllabus
B.A. (HINDI)
(Sem.- IV)

Title of Paper - स्त्री विमर्श:हिंदी कविताएं

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description of the course:**	समस्त दुनिया को मानवी दृष्टि से यदि दो भागों में बांटा जाए तो स्त्री-पुरुष दो भाग होंगे। इस दृष्टि से आधा हिस्सा स्त्रियों का रहा है। स्त्री को आधी आबादी के नाम से जाना जाता है; परंतु अब भी स्त्री जीवन में संघर्ष कर रही है, उसे वो अधिकार अबतक न मिल पाए हैं; जो पुरुषों के पास हैं। वह अपने प्रयास, गुणवत्ता, परिश्रम, साहस, आत्मविश्वास से बहुत कुछ प्राप्त कर रही है और जीवन के कई क्षेत्रों में निरंतर अपने कीर्तिमान स्थापित कर रही है। स्त्री-विमर्श यद्यपि पश्चिम की देन है, लेकिन भारत में भी इसकी अनुगूंज राजनीति, समाज, साहित्य में निरंतर सुनाई दे रही है। स्त्री ने उत्तरआधुनिक काल में अपने पक्ष को कई रूपों, आयामों, दृष्टिकोणों से उजागर किया है, जिसकी अभिव्यक्ति वह कला के माध्यम से करती है। स्त्री अपने अधिकारों की पैरवी करने हेतु, अपनी आवाज़ बुलंद करने हेतु, अपनी आजादी की लड़ाई हेतु समस्त भारतीय भाषाओं के साथ हिंदी भाषा के माध्यम से अपने संदर्भ में व्यापक अभिव्यक्ति दे रही है। स्त्री ने स्त्री केंद्रित कविताओं का सृजन किया है, जिनमें उसके जीवन की पीड़ा, संत्रास, घुटन, अधिकार, संघर्ष, समता-भाव, जीवन के विशेष-भाव-संवेदन, जीवन-दृष्टि, आत्मविस्तार, जीवनानुभव अभिव्यक्ति हेतु भरपूर काव्य रचा है। पुरुषों ने भी स्त्री दशा, अधिकार-संघर्ष, संवेदना को केंद्रित कर कविताओं का सृजन किया है। व्यापक संदर्भों में स्त्री आधारित कविताएं विद्यार्थियों के लिए स्त्री जीवनानुभवों का समुच्चय प्रस्तुत करने के साथ, काव्य कला के कौशल को समृद्ध करेगी, इस दृष्टिकोण से यह शैक्षणिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगा।
2	**Vertical:**	Minor
3	**Type:**	Theory
4	**Credit**:	4 credits (1 credit = 15 Hours for Theory)
5	**Hours Allotted:**	60 Hours
6	**Marks Allotted**:	100 Marks
7	**Course Objectives:** 1. विद्यार्थियों को स्त्री विमर्श के उद्भव से लेकर विकासक्रम के सम्पूर्ण अवलोकन का ज्ञान प्रदान करना। 2. विद्यार्थियों को हिंदी की स्त्री विमर्श कविताओं की विशेषताओं के साथ काव्य कला की अवधारणा स्पष्ट करना। 3. विद्यार्थियों को हिंदी की स्त्री विमर्श कविताओं के माध्यम से स्त्री संवेदना, सामाजिक सरोकार, मानवीय मूल्य, सांस्कृतिक समझ का बोध, लैंगिक समानता एवं स्त्री अधिकार की जागृति प्रदान करना।	

8	**Course Outcomes:** 1. विद्यार्थियों को हिंदी स्त्री विमर्श कविताओं के उद्भव से लेकर विकासक्रम का ज्ञान स्पष्ट होगा। 2. विद्यार्थियों को हिंदी स्त्री विमर्श कविताओं की विशेषताओं के परिचय के साथ काव्य लेखन कला कौशल प्राप्त होगा एवं वे स्त्री केंद्रित कविताओं की व्यापक भूमि से अवगत होंगे। 3. विद्यार्थियों को हिंदी स्त्री विमर्श कविताओं के माध्यम से स्त्री संवेदना, स्त्रीत्व-भाव, सामाजिक सरोकार, मानवीय मूल्य, आपसी सहयोग, मैत्री, सांस्कृतिक-चेतना, उदारता, लैंगिक समानता के भाव का ज्ञान प्राप्त होगा।
9	Modules (Per credit one module can be created)

इकाई- 1	**15 व्याख्यान**	**01क्रेडिट**
1. स्त्री विमर्श : अर्थ एवं अवधारणा		
2. स्त्री विमर्श : विकासक्रम		
3. स्त्रियों के लिए भारतीय कानून		
4. स्त्री विमर्श : कविताओं की विशेषताएँ		

पुस्तक का नाम- **कविता में औरत, औरत में कविता** संपादक- डॉ. मोहसिन ख़ान
प्रकाशक- लोकोदय प्रकाशन, लखनऊ (उ. प्र.)

निर्धारित कविताएं :-

इकाई- 2	**15 व्याख्यान**	**01क्रेडिट**
लेखक	**कविता**	
1. चंद्रकांत देवताले	एक औरत	
2. राजेश जोशी	एक स्त्री दूसरी स्त्री को पीटते हुए	
3. उदय प्रकाश	औरतें	
4. रमाशंकर यादव 'विद्रोही'	औरतें	
5. दिनेश कुमार	कविता में औरत	
इकाई- 3	**15 व्याख्यान**	**01क्रेडिट**
6. कात्यायनी	इस स्त्री से डरो	
7. गीताश्री	असंख्य स्त्रियों का कोरस	
8. रंजीता सिंह 'फ़लक'	बिसराई गई बहनें और भुलाई गई बेटियाँ	
9. निर्मला पुतुल	क्या तुम जानते हो	
10. रंजना जायसवाल	तेरे आँसुओं से नहीं पसीजा	
इकाई- 4	**15 व्याख्यान**	**01क्रेडिट**
11. मनीषा कुलश्रेष्ठ	एक औरत का यक़ीन	
12. अनीता भारती	इस बार महिला दिवस पर	
13. सविता सिंह	मैं किसकी औरत हूँ	
14. शैलजा पाठक	कमाल की औरतें	
15. प्रतिभा कटियार	अकेली औरत	

10	**संदर्भ ग्रंथ-** 1. प्रभा खेतान- बाज़ार के बीच बाज़ार के खिलाफ़, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2. राधा कुमार- स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. क्षमा शर्मा- स्त्रीत्ववादी विमर्श, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. जगदीश्वर चतुर्वेदी- स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, मेधा प्रकाशन, दिल्ली 5. रमणिका गुप्ता- स्त्री विमर्श, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली	
11	**Internal Continuous Assessment : 40%**	**External : Semester End Examination :60%**
12	**Continuous Evaluation through:** • रचनात्मक कार्य/प्रकल्प इत्यादि 20 अंक • प्रस्तुति/परिसंवाद सहभागिता इत्यादि 10 अंक • अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ- 10 अंक **कुल 40 अंक**	**लिखित परीक्षा** **अंक : 60** **परीक्षा अवधि : 02 घंटे**
13	**Format of Question Paper:** for the semester end examination **लिखित परीक्षा** **अंक : 60** **समयावधि : 2 घंटे** **निर्देश-** 1. समस्त चार इकाई में से कुल छह प्रश्न पूछे जाएं। 2. पहला प्रश्न अनिवार्य है। (संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या विकल्प सहित) 15 अंक 3. शेष पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं 15x3= 45 अंक कुलयोग- **60 अंक**	

Sd/-	Sd/-	Sd/-	Sd/-
Sign of the BOS Chairman Prof. Dr. Santosh Motwani Board of Studies in Hindi	**Sign of the Offg. Associate Dean Dr. Suchitra Naik Faculty of Humanities**	**Sign of the Offg. Associate Dean Prof. Manisha Karne Faculty of Humanities**	**Sign of the Offg. Dean Prof. Anil Singh Faculty of Humanities**